Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 34, सोमवार, 26 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

नेट परीक्षा आठ जुलाई को, जेआरएफ के लिए बढ़ाई उम्र की सीमा

नई दिल्ली। विविद्यालयों और महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए जरूरी पात्रता परीक्षा यूजीसी नेट (विविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) का आयोजन आठ जुलाई को किया जाएगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन प्रक्रिया 5 मार्च से शुरू होगी और पांच अप्रैल तक आवेदन किए जा सकेंगे। इस बार नेट परीक्षा में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए अधिकतम 30 वर्ष के अभ्यर्थी हिस्सा ले सकेंगे पहले यह उम्र सीमा 28 वर्ष थी। बोर्ड की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक इस साल अधिकतम आयु सीमा दो वर्ष बढ़ा दी गई है। ज्ञात हो कि यूजीसी की नेट परीक्षा हर साल देशभर के 91 शहरों में 84 विषयों के लिए आयोजित की जाती है।

भोजपुरी को मिले संवैधानिक दर्जा : दुबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी में बोलते हुए विश्व भोजपुरी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत दुबे ने कहा कि पछले 21 जनवरी को नेपाल में नवनिर्वाचित भोजपुरी क्षेत्र के सांसदों ने भोजपुरी में शपथग्रहण किया। वहीं मॉरीशस के 250 सरकारी स्कूलों में भोजपुरी की पढ़ाई शुरू हो गई। मॉरीशस सरकार के अनुरोध पर यूनेस्को ने एक दिसंबर 2016 को कुछ भोजपुरी लोकगीतों को सांस्कृतिक धरोहर में सम्मिलित कर लिया, मगर भारत में मनोज तिवारी और राजीव प्रताप रूडी भोजपुरी में शपथ नहीं ले सके। उन्होने कहा कि 5 बार आश्वासन मिलने के बाद भी भोजपुरी को संविधान में स्थान नहीं मिला। सरकार को अपनी इच्छा शक्ति को बढ़ाना पड़ेगा और भोजपुरी को संविधान में सम्मिलित करना पड़ेगा। इस मौके पर विश्व भोजपुरी सम्मेलन की पत्रिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में अश्वनी चौबे (केन्द्रीय स्वास्थ राज्य मंत्री), मनोज तिवारी (दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष), और पूर्व सांसद महाबल मिश्र भी उपस्थित थे।

हिंसा को मुख्यमंत्री की मौन स्वीकृति : मनोज

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के बयान पर पलटवार करते हुए पांच सवाल पूछे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़े कार्य न होने पर अब तक कितने अफ्सरों को धमकाया है। राजधानी के व्यापारियों को सीलिंग से राहत दिलाने, सार्वजनिक परिवहन पण्राली को दुरुस्त करने एवं अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने जैसे गंभीर मुद्दों पर उन्होंने कितनी बार अफ्सरों से बात की और किस अधिकारी को इसके लिए धमकाया। जबकि इन तीनों मामलों से हर कोई प्रभावित है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजनीति एवं प्रशासकीय व्यवस्था में हिंसा की कोई जगह नहीं होती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से ऐसा देखने को मिल रहा है कि जैसे सब जानबूझकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मुख्यमंत्री की मौजूदगी में मुख्य सचिव के साथ बदसलूकी हुई और शुक्रवार को मुख्यमंत्री की मौजूदगी में उनके एक विधायक ने मंच से अधिकारियों को ठोंकने की धमकी दे डाली। इस दोनों ही घटनाओं के मुख्यमंत्री चश्मदीद हैं, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया तक नहीं की। ऐसा लगता है कि इस हिंसा को मुख्यमंत्री की मौन स्वीकृति है। इससे पहले उनके विधायकों ने जल बोर्ड के छोटे कर्मचारियों के साथ मारपीट की, लेकिन पार्टी ने उनके बिरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की।

सीलिंग के खिलाफ पीएम आवास के बाहर पहुंचेंगे व्यापारी : आशुतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलिंग अभियान के खिलाफ चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) से जुड़े व्यापारी रविवार (25 फरवरी) को हाथों में कटोरा लेकर प्रधानमंत्री आवास पहुंचेंगे और उनसे सीलिंग के मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाएंगे। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता आशुतोष ने कहा कि सीलिंग के मसले पर आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता, विधायक, पार्षद और पूरा संगठन, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंड्स्ट्री के साथ हाथ में कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के घर की तरफ मार्च करेंगे और प्रधानमंत्री से दिल्ली में चल रही सीलिंग को रोकने की अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि इस देश की बीजेपी सरकार ने व्यापारियों को आज कटोरा हाथ में लेने को ही मजबूर कर दिया है।

»» फीस लौटाने में डीओई के आदेश की अवमानना कर रहे स्कूल

बोले, भुगतान की गई फीस वापस नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों में आरंभिक कक्षाओं के लिए दाखिला प्रक्रिया चल रही है। इन स्कूलों की ओर से जारी पहली सूची के आधार पर दाखिला लेने में अभिभावक फीस वापसी को लेकर भ्रम की स्थिति में हैं, क्योंकि स्कूलों ने डीओई के आदेश के उलट सूचना जारी की है। स्कूलों की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि एकबार भुगतान की गई फीस को वापस नहीं किया जाएगा।

डीएवी पब्लिक स्कूल पीतमपुरा में दाखिला कराने गए एक अभिभावक ने बताया कि उनको कहा जा रहा है कि यदि वे अपने बच्चों का दाखिला रद्द कराते हैं या मूल दस्तावेज निश्चित समय पर नहीं प्रस्तुत कर पाते हैं इस वजह से दाखिला रद्द हो जाता है तब भी उनकी भुगतान की गई फीस वापस नहीं की जाएगी। सभी स्थिति में सिर्फ सिक्यूरिटी डिपॉजिट ही वापस किया जाएगा। अभिभावकों में इस बात को लेकर सांसत की स्थिति है कि यदि वे दूसरी सूची में किसी बेहतर स्कूल का विकल्प मिल जाने पर दाखिला रद्द कराते हैं तो उनकी फीस वापस नहीं होगी।

छात्र का दाखिला मूल दस्तावेज प्रस्तुत न करने, गलत जानकारी देने पर रद्द हो जाता है तो अभिभावक को पंजीकरण शुल्क काटकर पूरा पैसा वापस करना होगा। वहीं यदि दाखिला पक्का हो जाने के बाद अभिभावक दाखिला वापस लेने का अनुरोध करते हैं तो एडमिशन फीस, रजिस्ट्रेशन फीस और एक महीने की ट्यूशन फीस काटकर शेष पूरी राशि पंद्रह दिनों में अभिभावक को वापस करनी होगी। निदेशालय ने यह आदेश कई बार जारी किया है और इसके अनुपालन का भी निर्देश दिया है।

आदेशों में यह भी कहा गया था कि यदि स्कूल ऐसा नहीं करते हैं कि दिल्ली शिक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत उनपर कार्रवाई की जाएगी। स्कूल इस आदेश को पुराना बता रहे हैं जबकि सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दिशानिर्देश स्थाई रूप से निजी स्कूलों को जारी किए हैं। और 2015 में जारी किया गया आदेश उस दिशानिर्देश के अनुपालन को लेकर था।

अरविंद केजरीवाल व वीके शर्मा जुटे सरकार का बजट बनाने में

सात हजार करोड़ का हो सकता है स्वास्थ्य बजट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य बजट में भारी बढ़ोत्तरी करने की प्रक्रिया शुरू की है। मंत्रियों की बैठकों में मंगलवार से अब तक अधिकारियों ने भाग लेना बंद कर दिया है लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व योजना विभाग के सलाहकार बी के शर्मा बजट तैयार करने में जुट गए हैं। अधिकारियों की अनुपस्थिति में बजट बनाने का काम जारी है। योजना विभाग में सलाहकार वीके शर्मा ने कांग्रेस सरकार में लगातार बजट निर्माण पर काम किया था। बजट संबंधी बैठकों में अधिकारियों ने जितने प्रेजेन्टेशन मुख्यमंत्री के समक्ष दिए हैं उसपर मुख्यमंत्री ने निजी नोट तैयार कर लिया है व यह नोट वीके शर्मा के पास पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री का विभागवार नोट ही बजट आवंटन का आधार बन रहा है। पिछले वर्ष स्वास्थ्य विभाग का बजट करीब 5300 करोड़ रपए था जिसे इस वर्ष बढ़ाकर सात हजार करोड़ रपए करने की कवायद शुरू की गई है। वर्ष 2018-19 का स्वास्थ्य बजट प्रारंभिक दिनों में 5400 करोड़ तय किया गया लेकिन पिछले तीन दिनों में इसमें 1600 करोड़ रपए की बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने दे दिया है। इस मामले पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी रूचि दिखा रहे हैं । लिहाजा अभी स्वास्थ्य बजट करीब सात हजार करोड़ तक पहुंचा है। शुक्रवार को स्वास्थ्य बजट को अंतिम रूप दिया जाना था। दिल्ली सरकार का वर्ष 2017-18 का बजट 48 हजार करोड़ रपए का है। इसमें मात्र 70 प्रतिशत राशि खर्च हो पाई है। वर्ष 2018-19 के बजट की राशि को बढ़ाकर 54 हजार करोड़ रपए करने की कवायद चल रही है।

दलित शिक्षकों की मौत मामले में सीएम आवास पहुंचे शिक्षक

आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग, दिया ज्ञापन

नई दिल्ली। संयुक्त अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक मंच दिल्ली के बैनर तले प्राथमिक से विविद्यालय स्तर तक के शिक्षकों का दल और दिल्ली यूनिवर्सिटी एससी, एसटी, ओबीसी टीचर्स फोरम का एक विशाल प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचा। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन दिया जिसमें मांग की गई कि दलित शिक्षक की मौत के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर को तुरन्त बर्खास्त करके गिरफ्तार किया जाए। प्रतिनिधिमंडल की ओर से फोरम के अध्यक्ष प्रो. हंसराज सुमन ने मुख्यमंत्री कार्यालय को बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के 64 खम्बा नामक स्कूल में कार्यरत दलित शिक्षक खेमचंद बैरवा को कई महीने से वेतन नहीं दिया गया। उसके परिवार में चार लड़कियां और एक लड़का है। एक बहिन और मां की जिम्मेदारी भी। बैंकों की देनदारी और अन्य खर्चो से परेशान खेमचंद बैरवा वेतन नहीं मिलने से मानसिक तनाव में था। जब बार-बार मांगने पर भी वेतन नहीं मिला तो 16 जनवरी को तनाव में उसकी मौत हो गई। दलित वर्ग के शिक्षक और अधिकारी रिटायर होने के कई साल बीत जाने पर भी अपने भुगतान के लिए चक्कर काट रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. बलराज सिंह फोरम के महासचिव प्रो. केपी सिंह तथा और भी कई प्रोफेसर व दिल्ली सरकार और निगम के शिक्षक भी थे।

»» लड़की पक्ष में हड़कंप

दुल्हन से दगा! विवाह समारोह में आई युवती को लेकर दूल्हा फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के कोतबा थाना क्षेत्र के खजरीढ़ाप गांव में एक दुल्हा अपनी शादी का मंडप छोडकर मेहमान के रूप में आई एक युवती को लेकर फरार हो गया। घटना से लड़की पक्ष के लोग यानी जनाती सकते में हैं।

पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने बताया कि विवाह समारोह में पहुंचे मेहमानों और अन्य बरातियों को इस बात की भनक मिलने पर गुम युवती के परिजनों ने कोतबा थाना पहुंच कर दुल्हा पुनी यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस घटना में दुल्हा और गुमशुदा युवती का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है।

श्री ठाकुर ने बताया कि खजरीढ़ाप गांव के पुनी यादव का विवाह लैलूंगा के पास सोहनपुर में तय हुआ था। बारात निकलने से पहले अचानक दुल्हा गायब हो जाने से उसके परिजन काफी परेशान हो गए थे। दुल्हे की काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका पता नहीं चल पा रहा था। इस दौरान विवाह समारोह में पहुंची एक युवती के भी गायब हो जाने की बात सामने आई तो उसके परिजनों ने कोतबा थाना पहुंच कर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि प्रेम प्रसंग के इस मामले में दुल्हा पक्ष के लोगों ने अभी तक अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है, लेकिन पुलिस ने युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट के बाद दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

चांद की प्रतिकृति दिल्ली में, सेल्फी लेने का मौका न चूकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांद के साथ सेल्फी लेने का मन कर रहा है, तो आपको यह मौका चूकना नहीं चाहिए। राजधानी दिल्ली स्थित ब्रिटिश काउंसिल की इमारत में चांद की प्रतिकृति लगाई गई है।

यह एक मार्च तक यहां रहेगी। तो आपका चांद के साथ सेल्फी लेने का सपना पूरा होने में अब कोई अड़चन नहीं है। चांद की 23 फीट चौड़ी इस प्रतिकृति को 'म्यूजियम आफ्द मून' का नाम दिया गया है।

इसे ब्रिटिश कलाकार लूके जेराम ने बनाया है। यह एक मार्च तक ब्रिटिश काउंसिल की इमारत में रखी जाएगी। यह प्रतिकृति नासा के लूनर रिकोनोइसांस आर्बिटर कैमरे से भेजी गई तस्वीर के आधार पर ब्रिटिश अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से बनाई गई है। रविवार को एक विज्ञप्ति में बताया गया कि इस

प्रतिकृति को देश में विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया है। इसे अंतिम दौर के लिए राजधानी स्थित ब्रिटिश काउंसिल की इमारत में रखा गया है। इस प्रतिकृति को भारत-ब्रिटेन के बीच सांस्कृतिक वर्ष के अंतिम चरण और भारत में ब्रिटिश काउंसिल के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर लाया गया है। यह प्रतिकृति चांद के वास्तविक आकार से पांच लाख गुना से कम है यानि इसका एक सेंटीमीटर चांद के वास्तविक आकार के पांच किलोमीटर को दर्शाता है।

डीयू जल्द करेगा रिपोर्टर एसोसिएशन की स्थापना

नई दिल्ली। दिल्ली विविद्यालय से संबंधित खबरों को कवर करने वाले हिंदी व अंग्रेजी भाषा-भाषी संवादाताओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दिल्ली यूनिवर्सिटी रिपोर्टर एसोसिएशन (डूरा) की स्थापना जल्द की जाएगी। इस संगठन की विधिवत घोषणा होली के बाद डूटा में सभी रिपोर्टरों को आमंत्रित किया जाएगा। इसमें दोनों भाषाओं के संवादाताओं को शामिल किया है। दिल्ली विविद्यालय की विद्वत परिषद के सदस्य प्रो. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी की खबरों को कवर करने के लिए प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रनिक मीडिया के रिपोर्टरों के लिए डीयू में कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां वे बैठ सके। यहां सभी वगरे के अपने संगठन हैं और ये संगठन अपने-अपने स्तरों पर अपनी मांगों को उठाते हैं।

साथ ही इनकी खबरों को कवर करने के लिए संवाददाताओं को खबरों को एकत्रित करने के लिए जगह-जगह भटकना पड़ता है, क्यों न संवाददाताओं को एक ही स्थान पर सारी सूचनाएं मिले। इसके लिए पहले एक मंच बने। उनका यह भी कहना है कि डूरा बनने के बाद हर साल हिंदी व अंग्रेजी के एक-एक बेस्ट रिपोर्टर को सम्मानित करने की परम्परा की शुरुआत होगी।

राजस्थान में सरस्वती नदी की खोज शुरू, कुओं में मिला बड़ा जल स्रोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राचीन काल की विलुप्त नदी सरस्वती के अस्तित्व, नदी के बहाव मार्ग, आकार और इसके विलुप्त होने के कारणों की खोज शुरू हो चुकी है। इस अति प्राचीन नदी को 'पुनर्जीवित करने की पहल के तहत राजस्थान एवं हरियाणा में भूगर्भीय जीवाश्म, भूगर्भ रसायन, भूगर्भ भौतिकी से जुड़े विविध आयामों पर खोज शुरू की गई है। इसके तहत जीआईएस डाटाबेस का उपयोग करते हुए कुंओं की खुदाई एवं नक्शा तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'भाषा से कहा कि सरस्वती नदी का अस्तित्व हकीकत है और इस दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग के जरिये जमीन के नीचे इस प्राचीन नदी के बहाव का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस पर काम कर रही है। यह नदी जैसलमेर से गुजरात के कच्छ तक बहती थी।

जैसलमेर एवं बाड़मेर में कुंओं की खुदाई की जा रही है जिसमें अच्छी गुणवत्ता के जल स्रोत मिले हैं। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जैसलमेर एवं बाड़मेर में 72 कुंओ की खुदाई की जानी है जिनमें से अब तक 55 कुंए खोदे गए हैं । मेघवाल ने कहा कि सरस्वती नदी के प्रवाह मार्ग का पता लगाने के लिये व्यापक शोध और तकनीकी इनपुट प्राप्त करके बहाव का पता लगाया जा रहा है। इससे पेयजल और सिंचाई में मदद मिल सकती है। राजस्थान सरकार ने इसकी खोज के कार्य को आगे बढाने के लिए चार वर्षों का एक खाका तैयार किया था और अब बाड़मेर एवं उससे लगे क्षेत्रों में इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

1893 में हुई थी सरस्वती नदी की खोज की परिकल्पना

राजस्थान के जल संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस सिलसिले में एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट :डीपीआर: तैयार करके केंद्र सरकार को भेज दी गई है।

इस कार्य को करीब 70 करोड़ रूपये की वित्तीय राशि से आगे बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। बाड़मेर एवं उससे लगे इलाके में कच्चे तेल के साथ जल के भंडार भी मिले हैं। दूसरी ओर, हरियाणा सरकार ने भी आदि बद्री हेरिटेज बोर्ड का गठन किया है जिसके तहत सरस्वती नदी के संभावित रास्तों पर नयी नहर बनाने की योजना है। इस सिलसिले में खुदाई का कार्य घग्घर हाकरा नदी इलाकों में किया जा रहा है। माना जाता है कि कभी इस इलाके से सरस्वती नदी गुजरती थी। बेंगलूरू स्थित जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च के प्रोफेसर के एस वाल्डिया के नेतृत्व में गठित समिति ने इस विषय पर अध्ययन किया था।

सरस्वती नदी की खोज की परिकल्पना सबसे पहले अंग्रेज इंजीनियर सी एफ ओल्डहैम ने 1893 में की थी । ओल्डहैम को यह विचार तब आया था जब वे हनुमानगढ़ के पास बरसाती नदी घग्घर से गुजर रहे थे। सरस्वती नदी की खोज संबंधी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के मुताबिक, जीआईएस डाटाबेस का उपयोग करते हुए एक ऐसा नक्शा तैयार किये जाने की बात कही गई है जो सरस्वती नदी के जीवाश्म नेटवर्क को प्रदर्शित करेगा। इससे जुड़ी एजेंसिया कुंओं का एवं अन्य प्रकार की खुदाई का कार्य करेंगी और विभिन्न मापदंडों के आधार पर हाइड्रोलॉजिक डाटा तैयार किया जायेगा।

राजस्थान के इन जिलों में होगी खोज

सरस्वती नदी की प्रस्तावित खोज से जुड़ी रिपोर्ट के आधार पर यह कार्य

राजस्थान के पांच जिलों में शुरू किया गया है जिसकी लम्बाई 543.36 किलोमीटर है। इसका मकसद पीने के पानी, सामाजिक आर्थिक विकास और समाज के अन्य उद्देश्यों विशेष तौर पर भारत-पाक सीमा पर तैनात भारतीय सेना के लिए भूजल संसाधनों की तलाश करना है। इसके तहत जीवाश्म के आधार पर नदी के जल स्रोत को पुनर्जीवित करने की संभावना तलाशी जायेगी। प्रस्तावित खोज कार्य में वैदिक काल की नदी सरस्वती के बहाव मार्गो और उसके अस्तित्व से जुड़े आयामों को स्थापित करने का कार्य किया जायेगा। इसके तहत खुदाई करके भूगर्भीय तत्वों की आयु निर्धारित की जायेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि खोज का दायरा हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर जिले होंगे।

वैज्ञानिकों का हालांकि कहना है कि उपग्रह के चित्रों से नदियों की जलधाराओं के पुराने निशान मिल जाते हैं। बरसात के दिनों में उनमें भूजल स्तर बढ़ने से इनमें कुछ पानी भी ऊपर आ जाता है। लेकिन इनके मूल जल स्रोतों को पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता। इनकी खुदाई करके नहरों का निर्माण किया जा सकता है।

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो। ब्रूस ली

डीएमके और अन्ना डीएमके

तमिलनाडु की राजनीति बहुत दिनों से ठहरी हुई है। वही डीएमके और अन्ना डीएमके। तमिलनाडु के मतदाताओं ने बारी-बारी से दोनों को अवसर दिया। कह सकते हैं कि दोनों ही दल समान रूप से भ्रष्ट और अकुशल साबित हुए हैं। बेशक, अन्ना डीएमके की दिवंगत नेता जयललिता इस मामले में कुछ ज्यादा उदार रहीं। लेकिन उनके जाने के बाद उनकी पार्टी नेतृत्व के अंतर्द्वंद्वों से बुरी तरह ग्रस्त हो गई और उम्मीद कम ही है कि अगले चुनाव में वह मतदाताओं को बहुत ज्यादा आकर्षित कर पाएगी। कुछ-कुछ यही हाल करुणानिधि के नेतृत्व वाली मूल पार्टी डीएमके का भी है। करुणानिधि की उम्र हो गई है, और लगातार बीमारी ने उन्हें जर्जर बना दिया है।

राजनीतिक उत्तराधिकारी तमिलनाडु की जनता के बीच उतने लोकप्रिय नहीं हैं। स्पष्ट है कि वरिष्ठ तमिल अभिनेता एवं निर्देशक कमल हासन के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था कि अपनी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के लिए एक नये दल की स्थापना करते। इस मामले में कमल हासन ने अपने से अधिक लोकप्रिय अभिनेता रजनीकांत को मात दे दी है, जिन्होंने बहुत पहले ही राजनीति में उतरने की घोषणा कर दी दी थी, पर अभी तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर पाए हैं। दिलचस्प यह कि राजनीति में उतरने पर रजनीकांत का स्वागत भाजपा नेताओं ने तो हासन का स्वागत करुणानिधि के बेटे स्टालिन और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने किया है। कह सकते हैं कि नई पार्टी अपेक्षाकृत सेक्युलर होगी।

एक नया दल बनाने की तिरसठ साल के हासन की पात्रता के बारे में शक नहीं किया जा सकता। बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तिहैं, और चाहें तो अपने को अभिनय के अतिरिक्त अन्य भूमिकाओं में भी व्यस्त रख सकते हैं। उनकी तुलना में राजनीति में परिश्रम और दौड़धूप ज्यादा है, पर सत्ता के आयाम भी कम आकर्षक नहीं हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्म अभिनेताओं और अभिनेत्रियों की महत्ता देखते हुए असफल होने की संभावना भी कम ही है। जब रजनीकांत की पार्टी सामने आ जाएगी, तब कहा जा सकेगा कि खूब गुजरेगी जब मिल बैठेंगे दीवाने दो। हासन की नई पार्टी जो विकल्प देने जा रही है, वह कैसा होगा? इस बारे में कोई भ्रम नहीं हो सकता। मदुरै में 22 फरवरी को अपनी पार्टी के गठन की घोषणा करते हुए हासन ने सूत्र रूप में जो बातें कहीं, उनसे पता चलता है कि इस नई पार्टी की कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं होगी। उनकी सबसे महत्त्वपूर्ण घोषणा यह थी कि उनकी पार्टी ऐसी राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है, जो ''जाति-धर्म के खेल' से परे और सुशासन पर केंद्रित होगी।

जाहिर है, यह साधारण-सी बात कोई भी कह सकता है, इस पुछल्ले के साथ कि धर्म की राजनीति से जरूर बचा जा सकता है, पर जाति की राजनीति से कोई कैसे बच सकता है? मदुरै की स्थापना सभा में ही हासन को जाति विशेष का नायक सिद्ध करने की कोशिश की गई। हासन की पार्टी का नाम है-मक्कल नीधि मय्यम, जिसका अनुवाद लोक न्याय पार्टी के रूप में किया गया है। अपनी पार्टी के झंडे के बारे में उन्होंने कहा, ''आप करीब से देखेंगे तो इसमें दक्षिण भारत का नक्शा पाएंगे।

इसमें छह हाथ छह दक्षिणी राज्यों के लिए हैं। बीच में जो सितारा है, वह जनता के लिए है' अर्थात यह अखिल भारतीय पार्टी नहीं होगी, दक्षिण भारत की अपनी पार्टी होगी। मक्कल नीधि मय्यम की महत्त्वाकांक्षा पूरे दक्षिण भारत में फैलने की बताई जा रही है, लेकिन पूरी संभावना है कि यह तमिलनाडु की पार्टी बन कर सीमित रह जाएगी। यह भारत की राजनीति में एक नये चरण का प्रतीक है। कायदे से तो इसकी शुरुआत प. बंगाल में ममता बनर्जी द्वारा तृणमूल कांग्रेस के गठन से मानी जा सकती है। हालांकि तृणमूल पार्टी कांग्रेस का ही एक टुकड़ा है।

ममता की उचित जगह कांग्रेस में ही थी, लेकिन इंदिरा गांधी और बाद में राजीव गांधी-सोनिया गांधी की कांग्रेस उस उग्र तथा आक्रामक नेता के लिए जगह बनाना नहीं चाहती थी, इसलिए उन्हें अपनी अलग पार्टी बनानी पड़ी। दिल्ली में आप के उदय के पीछे राजनीतिक-प्रशासनिक भ्रष्टाचार के खिलाफ एक छोटा-सा अभियान था, लेकिन ध्यान से देखेंगे तो आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के प्रोफाइल में आप एक अ-राजनीतिक व्यक्तित्व की केंद्रीयता देख सकते हैं। ममता की तरह केजरीवाल की भी कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी अराजनीतिक व्यक्ति हैं। मेरा खयाल है, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी इसी धारा के नेता कहे जा सकते हैं। मुलायम सिंह अपने को समाजवादी कहते रहे हैं, पर अखिलेश यादव को किसी वाद से कोई मतलब नहीं है।

राजनीतिज्ञों की यह नई पीढ़ी, जिसका विचारधारा से कोई संबंध नहीं है, पुरानी पीढ़ी से बेहतर है, या बदतर है, कहना मुश्किल है। लेकिन इतना है कि पुरानी पीढ़ी के पास विचार, राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के सफेद-रंगीन पर्दे रहा करते थे, पर इस पीढ़ी के लिए राजनीति का एकमात्र अर्थ है किसी भी शर्त पर सत्ता की प्राप्ति और पार्टी के भीतर अपनी एक छत्र हुकूमत चलाना। इसलिए यह तो भूल ही जाना चाहिए कि राजनीतिज्ञों की यह नई पीढ़ी लोकतंत्र को मजबूत करेगी, वह अच्छा प्रशासन दे सके, तब भी बड़ी बात होगी। अभी तक तो ऐसा कोई लक्षण दिखाई नहीं दिया है।

''वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट

निवेशकों से व्यक्तिगत मुलाकातें आयोजित कीं और आखिरकार एक बड़े इवेंट को सफल करने में कामयाब रहे। यूपी के लिए यह ऐतिहासिक है और दूसरे प्रदेशों के लिए प्रेरणा। एक आयोजन के हिसाब से, उम्मीद के हिसाब से यह इन्वेस्टर्स समिट सफल है, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन, इसकी असली सफलता तभी मानी जाएगी जब वास्तव में इन समझौतों पर अमल हो पाएगा। सही मायने में निवेशक निवेश करेंगे। आम तौर पर देखा यही गया है कि निवेशक इन मौकों का इस्तेमाल अधिक से अधिक सुविधाएं पाने के लिए करते हैं। अनुकूल रियायत हासिल करने के बाद वे अपने फंड का कहीं और उपयोग कर लेते हैं।

सतीश पेडणोकर

देश में मांग का बढ़ना जरूरी है। तभी उत्पादन बढ़ेगा। जब उत्पादन बढ़ेगा तो निवेशक उसका फायदा उठाने की सोचेंगे और नए निवेश करेंगे। अन्यथा वे भी वेट एंड वॉच की स्थिति में अधिक दिनों तक नहीं रह सकेंगे। पूंजी तो ऐसे भी स्थिर नहीं रहती। वह अपना मार्ग ढूंढ़ ही लेती है। अभी पूंजी निवेश के ख्याल से उत्तर प्रदेश की भूमि समतल मार्ग नहीं बना पाई है। समृद्धि की बारिश कहें या विकास का सैलाब? लखनऊ में संपन्न दो दिवसीय इनवेस्टर्स समिट में प्रदेश सरकार ने 1045 एमओयू यानी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर दस्तखत किए। 500 से ज्यादा कंपनियों का मेला लगा। देश-विदेश के 6000 डेलिगेट्स का जमावड़ा लगा। चुनिंदा 100 उद्योगपतियों ने अपने पिटारे खोल दिए। 4.28 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश का दावा किया गया और 40 लाख नई नौकरियों से सृजन का वादा। तो क्या अच्छे दिन आ गए?इन्वेस्टर्स समिट यानी निवेशकों का सम्मेलन बीजेपी सरकारों की खासियत रही है। बतौर मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में ऐसे सम्मेलन खूब किए। चूंकि अब वे देश के प्रधानमंत्री हैं, इसलिए उनकी पार्टी की जिन-जिन राज्यों में सरकारें हैं, वे उनके ही नक्शेकदम पर चलकर अपने सूबे को विकास मार्ग पर आगे बढ़ाती दिख रही हैं। यूपी में 21-22 फरवरी 2018 को हुए इन्वेस्टर्स मीट में सवा चार लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आने की घोषणा की गई है। इन्वेस्टर्स समिट को सफ ल बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशभर में भी विभिन्न राज्यों का दौरा किया।

निवेशकों से व्यक्तिगत मुलाकातें आयोजित कीं और आखिरकार एक बड़े इवेंट को सफल करने में कामयाब रहे। यूपी के लिए यह ऐतिहासिक है और दूसरे प्रदेशों के लिए प्रेरणा।एक आयोजन के हिसाब से, उम्मीद के हिसाब से यह इन्वेस्टर्स समिट सफल है, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन, इसकी असली सफलता तभी मानी जाएगी जब वास्तव में इन समझौतों पर अमल हो पाएगा। सही मायने में निवेशक निवेश करेंगे। आम तौर पर देखा यही गया है कि निवेशक इन मौकों का इस्तेमाल अधिक से अधिक सुविधाएं पाने के लिए करते हैं। अनुकूल रियायत हासिल करने के बाद वे अपने फंड का कहीं और उपयोग कर लेते हैं। यही वजह है कि योजनाएं अधर में लटकी रहती हैं। इन्वेस्टर्स समिट में शरीक हुए जी समूह के प्रमुख सुभाष चंद्रा के वक्तव्य भी इसकी तस्दीक करते हैं, ''पहले 30,000 करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर होते थे और वास्तविक निवेश केवल 3,000 करोड़ रु पये का ही होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं।'झारखण्ड बहुत बड़ा उदाहरण है जहां अजीम प्रेमजी जैसे निवेशकों ने राज्य सरकार से तमाम तरह की सुविधाएं हासिल कर लेने के बावजूद वास्तव में निवेश करने से खुद को दूर रखा। गुजरात में भी दावे के अनुरूप निवेश नहीं आए। यही हाल छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र का भी रहा है। मोदी सरकार के नाम से जिन उद्योगपतियों के नामों को जोड़ा जाता रहा है उनमें अम्बानी और अदानी शामिल हैं। इनमें से एक मुकेश अम्बानी ने 3 साल में 10 हजार करोड़ और दूसरे अदानी ने 5 साल में 5 हजार करोड़ का निवेश करने की घोषणा की है। अम्बानी ने 3 साल में 1 लाख नौकरियां देने का वादा भी किया है। मगर, इनकी घोषणाएं 2022 तक का इंतजार कराने वाली हैं इसलिए रणनीतिक भी मानी जा रही है।यूपी सरकार निवेशकों के सम्मेलन में आने वाले तीन सालों में 40 लाख रोजगार पैदा होने की बात कर रही है। मगर, ये रोजगार कैसे पैदा होंगे, कब पैदा होंगे और क्या तय समय के भीतर 40 लाख लोगों को नौकरी मिल जाएगी- इस बारे में कुछ साफ नहीं किया गया है। ऐसे में आशंका उठनी स्वाभाविक है कि कहीं ये सपना 2019 के लिए तो नहीं बेचे जा रहे हैं। हालांकि 2003 में मुख्यमंत्री के तौर पर खुद नरेन्द्र मोदी ने इनवेस्टर्स मीट ''वाइब्रेंट गुजरात' शुरू कर जिस तरह विकास की गाड़ी को रफ्तार देने की कोशिश की और विकास को लेकर एक अलग छवि बनाई, कुछ वैसी ही उम्मीद वो यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देखना चाहते हैं।यूपी अगर समृद्धि और विकास के रास्ते पर एक इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन से ही आ चुकी है, तो जब वास्तव में निवेश होगा तब यूपी का क्या होगा। हर आयोजन के लिए परिणाम से पहले ही पीठ थपथपाने वाली बीजेपी एक नया स्लोगन लाई है- ''वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जो जिले जिस खास वस्तु के लिए मशहूर रहे हैं, उसी पर ध्यान फोकस किया जाए। यह नीति हो सकती है, लेकिन इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा नहीं। यूपी को जब तक बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलेंगी, आए दिन यहां दंगे बंद नहीं होंगे, कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर निवेशकों को भरोसा नहीं होगा तब तक निवेशक उत्तर प्रदेश का रु ख कैसे करेंगे- ये बड़ा सवाल है। ईज ऑफडूइंग बिजनेस का जिक्र यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में यूपी पहले से बेहतर हुआ है। मगर, इस दावे का कोई ओर-छोर नजर नहीं आता, न इसका कोई स्रेत ही उन्होंने बताया। फिर भी अगर ऐसा है, तो यह यूपी के हित में है। दरअसल दोनों दिशा में

प्रयास साथ-साथ किए जाने चाहिए, चाहे इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो या फिर निवेशकों को आकर्षित करने का काम।यूपी में रीयल एस्टेट का कारोबार थमा हुआ है। निवेशकों के पैसे डूब रहे हैं। छोटे-बड़े निवेशकों के हजारों करोड़ रुपये इसमें फंसे हुए हैं। इसका कोई समाधान लेकर सरकार सामने नहीं आती। जब अदालतें ही ऐसे मसलों पर फैसला करेंगी, तो सरकार की क्या भूमिका रह जाती है। ऐसे में निवेशकों का सरकार पर भरोसा कैसे बना रहेगा। निवेशकों को आकर्षित करने की होड़ में एक और गलती आम तौर पर सरकारें करती रही हैं। बिना गारंटी के उन्हें बैंकों से सस्ते ऋण उपलब्ध कराती रही हैं। जमीन उन्हें सस्ते में मिल जाती है। फिर भी रोटोमैक जैसी कम्पनियों का ईमान खराब हो जाता है। वे बैंक को भी चूना लगाती हैं और निवेश योजनाओं को भी। ऐसे निवेश से भी बचने की जरूरत है। पूरे देश में ही अभी निवेश के प्रति एक अजीबोगरीब संकोच निवेशक दिखा रहे हैं। यह वातावरण नोटबंदी और जीएसटी के बाद से बना है। आर्थिक विश्लेषक मानते हैं कि जो कोर इंडस्ट्रीज हैं वह भी अपनी क्षमता के अनुसार उत्पादन नहीं कर पा रही हैं। इसकी वजह ये है कि बाजार में मांग नहीं है। मांग पर असर डालने वाली नीतियों में जीएसटी को दोष दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में यूपी में हिन्दुस्तान से अलग कोई वातावरण निर्मित होने वाला है, विास नहीं होता। देश में मांग का बढ़ना जरूरी है। तभी उत्पादन बढ़ेगा। जब उत्पादन बढ़ेगा तो निवेशक उसका फायदा उठाने की सोचेंगे और नए निवेश करेंगे। अन्यथा वे भी वेट एंड वॉच की स्थिति में अधिक दिनों तक नहीं रह सकेंगे। पूंजी तो ऐसे भी स्थिर नहीं रहती। वह अपना मार्ग ढूंढ़ ही लेती है। अभी पूंजी निवेश के ख्याल से उत्तर प्रदेश की भूमि समतल मार्ग नहीं बना पाई है। फिर भी यूपी के मुख्यमंत्री ने निवेशकों को लुभाने की जो पहल की है वह बेकार नहीं जाएगी और उसका हाल अतीत में हुए निवेश जैसा नहीं होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। बीती ताहि बिसारि दे। इच्छाशक्ति से ही उम्मीदें साकार होती हैं। देश के शीर्ष उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाना मोदी जी का सपना है और हम सब मिल कर इसे पूरा करेंगे। तो उम्मीद रखनी चाहिए कि ऐसा ही होगा और यह सामूहिक कोशिश देश की उत्पादन क्षमता और रोजगार में बढ़ोतरी के साथ प्रति व्यक्ति आय और देश के विकास का ग्राफ नई ऊंचाई तक ले जाएगी।

चलते चलते

पॉजिटीव एनर्जी

सफलता प्राप्त करना हमारा जन्मसिद अधिकार है। आप किसी भी क्षेत्र में हों, प्रयास ऐसे किए जाएं कि सफलता अवश्य अर्जित हो। लेकिन, जब जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है, यदि किसी कारण से सफल नहीं हो सकें तो उदास भी न हों।

सफलता का अहंकार और असफलता का अवसाद दोनों जीवन के लिए ठीक नहीं है। सफलता की जितनी कहानि यां कही जाती हैं उनमें से एक अत्यधिक लोकप्रिय रामचरितमानस का सुंदर कांड है।

इसमें तुलसीदासजी ने हनुमानजी की सफलता की कथा बताई है। जब हनुमानजी सफल होते हैं तो सफलता के साथ क्या किया जाए, यह भी सिखाते हुए एक बड़ा संदेश दे जाते हैं कि मन, वचन और कर्म में एक रहें। यहां हम लोग भेद कर जाते हैं। सोचते कुछ, बोलते कुछ और करते कुछ और हैं। इसी बात को समझने और वातावरण में पॉजिटीव एनर्जी फैले इसके लिए नववर्ष की पूर्व संध्या (31 दिसंबर की शाम) पर एक विशेष कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के प्रमुख नगर भिलाई में किया जा रहा है। देश-दुनिया में सवा करोड़ लोग एक साथ, एक ही समय हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे।

जब जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है, यदि किसी कारण से सफल नहीं हो सकें तो उदास भी न हों। सफलता का अहंकार और असफलता का अवसाद दोनों जीवन के लि ए ठीक नहीं है। सफलता की जि तनी कहानि यां कही जाती हैं उनमें से एक अत्यधिक लोकप्रिय रामचरितमानस का सुंदर कांड है। इसमें तुलसीदासजी ने हनुमानजी की सफलता की कथा बताई है। जब हनुमानजी सफल होते हैं तो सफलता के साथ क्या किया जाए, यह भी सिखाते हुए एक बड़ा संदेश दे जाते हैं कि मन, वचन और कर्म में एक रहें। यहां हम लोग भेद कर जाते हैं।

इसका सीधा प्रसारण रात 7 से 8:30 बजे तक संस्कार टीवी पर किया जाएगा। आप दुनिया के किसी भी कोने में रहें, कल शाम डेढ़ घंटे का समय निकालकर इस अनूठे आयोजन से स्वयं जुड़िए, अपने बच्चों को भी जोड़िए।

आप बहुत अच्छे ढंग से बीते की विदाई और आने वाले समय का मान कर रहे होंगे। फिर देखिए, जो सम्मान आपने समय का किया होगा, समय उसे दोगुना-चौगुना अधिक करके आपको लौटाएगा।

सत्संग

स्वयं के प्रति जागरूकता यानी समझ

हफ्ते में एक दिन पूरी तरह जरूरी चीजों के साथ बिताया जाए। लेकि न, इसके पहले यह जानना और आवश्यक होगा कि गैर- जरूरी क्या है? दरअसल, हम दिनभर में बहुत सारे काम और बहुत-सा वक्त गैर- जरूरी चीजों के साथ बिताकर परिणाम अशांति के रूप में पाते हैं। जिन्हें शांति की तलाश हो उन्हें सबसे पहले जीवन से गैर-जरूरी चीजें निकालकर बाहर फेंक देनी चाहिए। मनुष्य अपनी अशांति का कारण दूसरों में ढूंढ़ता है, जबकि सबसे बड़ा फैक्टर खुद है, क्योंकि वह स्वयं कई बेकार की बातों में उलझा होता है। हम यह भी भूल जाते हैं कि हमें गैर-जरूरी चीजों में उलझाता है हमारा मन। शरीर फिर भी ईमानदार है। कई बार वह मना कर देता है कि यह चीज या ऐसा करना मेरे लिए गैर- जरूरी है, लेकिन मन तो हमेशा उन सारी बातों को भीतर लाता है जो उसके लिए जरूरी नहीं हैं। मन चीजों के रूप, उसके स्वाद को अलग ढंग से महसूस करता है। मन को नियंत्रि त करने के लिए समझ और करुणा दोनों की जरूरत है। स्वयं के प्रति जागरूकता का नाम समझ है और दूसरों के प्रति सावधानी यानी करुणा। मन दूसरों के प्रति करुणामय नहीं होता। वह दूसरों को भोगना, दूसरों से लाभ उठाना चाहता है और मनुष्य को स्वयं से काटता है। इसलिए मन पर नियंत्रण रखें, उसे गैर- जरूरी चीजों से हटाइए। हमें यह सम झना होगा कि सारे मनुष्य पैदा तो एक जैसे होते हैं पर मरते एक जैसे नहीं हैं, क्योंकि इस बीच जो यात्रा होती है वह शरीर, मन और आत्मा की होती है। यह यात्रा यदि ठीक से नहीं की जाए तो हम भी चूक जाएंगे

फोटोग्राफी...

यह फोटो न्यूजीलैंड में क्रीन्सटाउन और वनाका के बीच है, जिसे स्नोफार्म कहा जाता है। सर्दियों आते ही यहां का पूरा वातावरण सफेद रंग का हो जाता है। इसके बारेमें फोटोग्राफर रेटक्लि फने लिखा कि उन्होंने ऐसे दृश्य खदानों में देखे थे, लेकिन यह खदान का नहीं बल्किक्रॉस-कंट्री स्काइंगरुट है। वे स्कीअर नहीं थे, लेकिन इस दृश्य को क्लिक करने के लिए उन्होंने हेलिकॉप्टर की मदद ली और पूरा स्कीइंग रुटकवर किया। यहां काम करने वाली संस्था ने ऊपर की तरफ कुछ केबिन तैयार किए हैं, जहां मौसम खराब होने जैसी स्थिति में स्कीअर्स कुछ दिन ठहर सकते हैं। जब सर्दि यों के बाद बर्फ पिघल जाती है तो यहां पूरे वातावरण में हरियाली छा जाती है।

Notey.com

विदेश नीति की बुनियादी संरचना

देश में मांग का बढ़ना जरूरी है। तभी उत्पादन बढ़ेगा। जब उत्पादन बढ़ेगा तो निवेशक उसका फायदा उठाने की सोचेंगे और नए निवेश करेंगे। अन्यथा वे भी वेट एंड वॉच की स्थिति में अधिक दिनों तक नहीं रह सकेंगे। पूंजी तो ऐसे भी स्थिर नहीं रहती। वह अपना मार्ग ढूंढ़ ही लेती है। अभी पूंजी निवेश के ख्याल से उत्तर प्रदेश की भूमि समतल मार्ग नहीं बना पाई है यह किसी को भी सोचने के लिए विवश करता है कि भारत दक्षिण एशिया के अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध क्यों नहीं बना पाता? चीन समर्थक और भारत विरोधी माने जाने वाले के. पी. शर्मा ओली के नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के साथही यह सवाल फिर उठने लगा है कि क्या भारत की विदेश नीति की बुनियादी संरचना में आक्रामक राजनय के तत्व निहित हैं, या वह अपने कूटनीतिक व्यवहार और बर्ताव से अपने पड़ोसियों के साथ शत्रुतापूर्ण वातावरण बनाता है, जो स्वयं उसके हितों के विरुद्ध जाता है। चूंकि नेपाल में एक नईराजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत हो रही है, इसलिए भारत नेपाल के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक रिश्तों को नये सिरे से परखने की जरूरत है। इसलिए कि पीएम बनने के फौरन बाद ओली ने भारत पर अपना दबाव बनाने के लिए चीन के साथ अपने संबंधों को गहरा करने का इशारा किया है। उनका विास है कि दोनों देशों की स्वाभाविक मित्रता सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक कारणों की वजह से है। दोनों देशों की सीमाएं भी खुली हुईहैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि चीन भी नेपाल का पड़ोसी राष्ट्र है। इसलिए हमें किसी एक पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनके इस विास को कोई चुनौती नहीं दे सकता क्योंकि भारत या अन्य स्वतंत्र देशों की तरह नेपाल को भी पूरे विश्व के साथ स्वतंत्र और बेहतर रिश्ता बनाने का अधिकार है। दरअसल, भारत नेपाल के सम-दूरी सिद्धांत को स्वीकार नहीं करता और उसके साथ अपना विशेष संबंध बनाए रखना चाहता है, जो वहां के कम्युनिस्ट नेतृत्व को बर्दाश्त नहीं है। वे मानते हैं कि इन्हीं विशिष्ट संबंधों के आधार पर भारत नेपाल की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करता रहता है। पिछले कुछअनुभव इसकी तसदीक भी करते हैं। भारत ने 2015 में नेपाल के नये संविधान में मधेशी हितों की अनदेखी वाले कुछ प्रावधानों पर आपत्ति उठाकर कम्युनिस्ट नेताओं के शक और संदेह की पुष्टि ही की। मधेशियों के आंदोलन के दौरान भारत-नेपाल सीमा की नाकेबंदी को भी भारत के उनको समर्थन के रूप में देखा गया। भारत की ओर से यह हस्तक्षेपकारी नीति रही। यह नई दिल्ली की कूटनीतिक भूल थी। भारत ने भी संविधान लागू होने के 40 साल बाद सामाजिक न्याय के प्रावधानों को शामिल किया था। आम तौर पर छोटे देश अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वतंत्र पहचान को लेकर सशंकित रहते हैं। नेपाल भी इसका शिकार है। इसलिए भारत को नेपाल के साथ समान दरजा के साथपेश आना होगा। नेपाल के आंतरिक मामलों में रुचि नहीं लेनी होगी। अगर वह ऐसा करता है, तो ओली भारत के सुरक्षा हितों के विरुद्ध कोईकाम नहीं करने का आश्वासन देने से पीछे नहीं हटेंगे। यह सच है कि भारत को पहली बार ओली जैसे भारत विरोधी रुख वाले प्रधानमंत्री का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अगर ऐसा है, तो यह भारतीय कूटनीति की जिद् और हठ की वजह से भी है। अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री मोदी नेपाल के साथ रिश्तों को सुधारने की पहल कर रहे हैं। और उम्मीद है कि ओली भी भारत-नेपाल संबंधों में संतुलन बनाकर चलेंगे।

आईसीसी ने कोहली को आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप गदा सौंपी

केपटाउन (एजेंसी)।

भारत के आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार रहने के कारण कप्तान विराट कोहली को प्रतिष्ठित आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप गदा सौंपी गयी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से आईसीसी क्रिकेट हाल आफ फेम में शामिल सुनील गावस्कर और ग्रीम पोलाक ने टी20 श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की जीत के बाद समारोह के दौरान कोहली को यह गदा सौंपी। भारत ने रात तीसरा टी20 सात रन से जीतकर श्रृंखला 2-1 से जीती।

पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में तीसरे टेस्ट में जीत के साथ भारत ने आईसीसी टेस्ट टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान और 10 लाख डालर की इनामी राशि सुनिश्चित कर ली थी। इस जीत के साथ तय हो गया कि तीन अप्रैल की समय सीमा तक कोई टीम टेस्ट रैंकिंग में भारत को नहीं पछाड़ पाएगी। भारत ने लगातार दूसरे साल यह पुरस्कार जीता है और टीम अक्तूबर 2016 के बाद से शीर्ष पर चल रही है। टीम कोहली के मार्गदर्शन में इससे पहले भी दो बार जनवरी-फरवरी 2016 और अगस्त 2016 में शीर्ष पर पहुंच चुकी है। भारत नंबर एक स्थान पर सबसे अधिक समय तक नवंबर 2009 से अगस्त 2011 के बीच रहा जब महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे।।

इससे पहले स्टीव वा, रिकी पोंटिंग, माइकल क्लार्क, स्टीव स्मिथ (सभी आस्ट्रेलिया), एंड्रयू स्ट्रास (इंग्लैंड), ग्रीम स्मिथ और हाशिम अमला (दोनों दक्षिण अफ्रीका) और मिसबाह उल हक (पाकिस्तान) को यह गदा सौंपी जा चुकी है। कोहली ने कहा, ''एक बार फिर आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप गदा पकड़ना शानदार अहसास है जो खेल के सर्वोच्च प्रारूप में हमारी सफलता का सूचक है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में हमने टेस्ट मैचों में जैसा प्रदर्शन किया उस पर हमें गर्व है और हमारा प्रदर्शन हमारी रैंकिंग में झलकता है।'' कोहली ने कहा कि सभी प्रारूपों में सफलता हासिल करना चुनौतीपूर्ण है और उम्मीद जताई कि उनकी टीम भविष्य में भी ऊंचा स्तर बरकरार रख पाएगी।

उन्होंने कहा, ''उस युग में टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर जगह बनाना सुखद है जहां सभी प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चुनौतीपूर्ण है। लेकिन इसे हम काफी अच्छी तरह कर पाए हैं और मैं चाहूंगा कि मेरी टीम अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ इसे जारी रखे।'' कोहली ने कहा, ''मैं सभी खिलाड़ियों को धन्यवाद देता हूं जो इस दौरान हमारी टीमों का हिस्सा रहे और साथी ही सहयोगी स्टाफ का भी जिन्होंने हमारी सफलता में भूमिका निभाई और खेल के विभिन्न पहलुओं में मदद की। सभी दुनिया भर में समर्थन के लिए प्रशंसकों का भी आभार व्यक्त करता हूं।'' आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड रिचर्डसन ने भी भारत को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

गोपी और मोनिका फिर बने नयी दिल्ली मैराथन चैंपियन

नई दिल्ली। गत एशियाई चैंपियन गोपी थोनाकल ने अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आज यहां आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस नयी दिल्ली मैराथन का अपना पुरुष वर्ग का खिताब बरकरार रखा। गोपी ने दो घंटे 15 मिनट और 16 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता लेकिन भारतीय एथलेटिक्स संघ द्वारा तय राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालीफाइंग स्तर से चूक गए। नितेंद्र सिंह रावत दो घंटे 24 मिनट और 55 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि बहादुर सिंह धोनी दो घंटे 24 मिनट और 56 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सुबह साढ़े चार बजे महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई। इस समय धावकों के लिए 15 डिग्री से कुछ अधिक का आदर्श तापमान था जो स्पर्धा के खत्म होने तक 18 डिग्री के आसपास था। गोपी ने दो घंटे 15 मिनट और 25 सेकेंड के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार किया जो उन्होंने 2016 ओलंपिक के दौरान किया था। वह हालांकि गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एएफआई द्वारा तय दो घंटे 12 मिनट और 50 सेकेंड के क्वालीफाइंग स्तर से काफी दूर रहे। महिला वर्ग में मोनिका अथारे ने दो घंटे 43 मिनट और 46 सेकेंड के साथ अपना खिताब बरकरार रखा। उन्हें पिछले साल की उप विजेता ज्योति गावटे (दो घंटे 50 मिनट और 12 सेकेंड) और मोनिका राउत (दो घंटे 55 मिनट और दो सेकेंड) को पछाड़ा। इस 42 .195 किमी की पूर्ण मैराथन में लगभग 165 एलीट भारतीय धावकों ने हिस्सा लिया।

आईओसी ने रूस पर डोपिंग प्रतिबंध बरकरार रखा

प्योंगचांग। रूस के खिलाड़ी प्योंगचांग शीतकालीन खेलों के समापन समारोह में अपने देश के ध्वज तले मार्च नहीं कर पाएंगे क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बड़े पैमाने पर डोभपग के लिए उस पर लगा प्रतिबंध सर्वसम्मति से बरकरार रखा है। लेकिन आईओसी ने कहा कि अगर खेलों से जुड़ा कोई और पाजीटिव ड्रग नतीजा नहीं आता है तो बाद में यह निलंबन हटाया जा सकता है। प्योंगचांग खेलों में अब तक रूस के दो खिलाड़ी डोभपग के लिए पाजीटिव पाए जा चुके हैं। रूस को बड़े पैमाने पर ड्रग्स से जुड़ी धोखाधड़ी के कारण दिसंबर में 2018 ओलंपिक में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित किया गया था लेकिन 'पाक साफ' माने गए 168 खिलाडियों को तटस्थ के रूप में प्योंगचांग में हिस्सा लेने की स्वीकृति दी गई।

कश्यप ने जीता आस्ट्रिया ओपन खिताब

विएना। गत राष्ट्रमंडल चैंपियन पारूपल्ली कश्यप ने मलेशिया के जून वेई चियाम को सीधे गेम में हराकर आस्ट्रिया ओपन इंटरनेशनल चैलेंज का पुरुष एकल खिताब जीत लिया जो तीन साल से अधिक समय में उनका पहला बैडमिंटन खिताब है। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और दूसरे वरीय कश्यप ने चियाम को शनिवार रात 37 मिनट चले मुकाबले में 23-21, 21-14 से हराया। कश्यप ने जीत के बाद ट्वीट किया कि यहां विएना में खिताब जीतने की खुशी है। इस साल मेरा पहला खिताब। अइंडियन आयलसीएल अओजीक्यूइंडिया गोपीचंद अकादमी और मेरे प्रशंसकों को लगातार समर्थन कि लिए धन्यवाद। कश्यप प्रतियोगिता के दौरान काफी अच्छी लय में दिखे और पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने एक भी गेम नहीं गंवाया। फाइनल के पहले गेम में हालांकि दुनिया के 126वें नंबर के खिलाड़ी चियाम ने कश्यप को कड़ी टक्कर दी। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि तीन ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद पहला गेम जीता। कश्यप दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखे और उन्होंने अंततः 37 गेम में मैच अपने नाम किया।

श्रीलंका में टी20 श्रृंखला में उतरेगी यंग इंडिया की नई टीम, कोहली-धोनी को आराम

नयी दिल्ली। कप्तान विराट कोहली और टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी उन अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें छह मार्च से श्रीलंका में शुरू हो रही टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम से आराम दिया गया है। रोहित शर्मा भारत की दूसरे दर्जे की टीम की अगुआई करेंगे जिसमें घरेलू टूर्नामेंटों (सैयद मुश्ताक अली टी20 और आईपीएल) में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जगह दी गई है। टीम में छह बदलाव किए गए हैं। शिखर धवन को उप कप्तान बनाया गया है।।प्रेस विज्ञप्ति में राष्ट्रीय चयनकर्ता एमएसके प्रसाद के हवाले से कहा गया, ''महेंद्र सिंह धोनी चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि उन्होंने आराम का आग्रह किया था।'' उम्मीद के मुताबिक भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह की शीर्ष तेज गेंदबाजी जोड़ी के अलावा आलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी आराम दिया गया है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान इन पर काम का बोझ अधिक था। प्रसाद ने कहा, ''निदाहस ट्राफी की टीम को अंतिम रूप देते हुए हमने खिलाड़ियों के बोझ और आगामी कार्यक्रम को ध्यन में रखा। हाई परफोर्मेंस टीम ने सलाह दी है कि तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन में सुधार और चोट से बचने के लिए उन्हें पर्याप्त आराम दिया जाना चाहिए।'' चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप चहल भी श्रीलंका जाने वाली टीम का हिस्सा नहीं होंगे। चयनकर्ताओं ने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को चुना है। राष्ट्रीय टी20 और वनडे प्रतियोगिताओं में शतक सहित सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई।

टेलर, सेंटनर ने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड पर जीत दिलाई

दुबई (एजेंसी)।

हैमिल्टन। रोस टेलर के शतक और मिशेल सेंटनर की आक्रामक पारी से न्यूजीलैंड ने रोमांचक पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में यहां इंग्लैंड को अंतिम ओवर में तीन विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। उतार चढ़ाव से भरे मैच में सेंटनर ने अंतिम ओवर में चार गेंद शेष रहते क्रिस वोक्स पर छक्का जड़कर न्यूजीलैंड को जीत दिला दी। बेन स्टोक्स ने नाइटक्लब के बाहर कथित हाथापाई के मामले के पांच महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की और टाम लैथम के विकेट के साथ इंग्लैंड को वापसी दिलाई लेकिन मेजबान टीम को जीत से नहीं रोक पाए।

सेंटनर ने हालांकि 27 गेंद में चार छक्कों और दो चौकों से नाबाद 45 रन की पारी खेलकर इंग्लैंड के आठ विकेट पर 284 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया।।लक्ष्य का पीछा करते हुए हालांकि टीम की शुरूआत काफी खराब रही और उसने 10वें ओवर में 27 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। टेलर (113) ने इसके बाद अपना 18वां शतक जड़ने के अलावा लैथम (79) के साथ चौथे विकेट के लिए 178 रन जोड़कर टीम को संकट से निकाला। स्टोक्स ने लैथम को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। लैथम के आउट होने के बाद मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

हेनरी निकोल्स खाता खोले बिना पवेलियन लौटे जबकि कोलिन डि ग्रैंडहोम दो रन ही बना पाए।।मेजबान टीम ने 10 रन के भीतर तीन विकेट गंवाए जिससे उसका स्कोर तीन विकेट पर 205 रन से छह विकेट पर 215 रन हो गया।टेलर ने इसके बाद रन गति बढ़ाने की कोशिश की लेकिन जब 25 गेंद में 45 रन बनाने

थे तब वह आदिल राशिद की गेंद को आगे बढ़कर खेलने की कोशिश में स्टंप आउट हो गए। इंग्लैंड की टीम का पलड़ा इस समय भारी था लेकिन सेंटनर ने ताबड़तोड बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को जीत दिला दी। ।इससे पहले इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 75 गेंद में 71 रन की पारी खेली जबकि बटलर ने अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर रन आउट होने से पहले 65 गेंद में 79 रन बनाए।

इंग्लैंड की टीम एक समय 300 से अधिक के स्कोर की ओर बढ़ रही थी लेकिन न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने 42 से 48 ओवर के बीच सिर्फ 31 रन देकर रन गति पर अंकुश लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे स्टोक्स 22 गेंद में सिर्फ 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। चौथे ओवर में जानी बेयरस्टा (04) के आउट होने पर क्रीज पर आए रूट ने सलामी बल्लेबाज जेसन राय (49) के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़ेरूट को शुरू में लय हासिल करने में दिक्कत हुई लेकिन उन्होंने बाद में आकर्षक शाट खेले और 53 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

रूट को 69 रन के स्कोर पर मिशेल सेंटनर की गेंद पर जीवनदान मिला लेकिन दो रन बाद वह कोलिन मुनरो की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 75 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। बटलर 29वें ओवर में स्टोक्स के आउट होने पर क्रीज पर उतरे। उन्होंने सेंटनर पर चौका जड़ने के बाद ईश सोढ़ी पर लगातार तीन छक्के मारे। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के जड़े। न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट, सेंटनर और सोढ़ी ने दो-दो विकेट चटकाए।

टी20 में अच्छे प्रदर्शन के बाद रैना को वनडे में वापसी की उम्मीद

केपटाउन। भारत की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी की कवायद के जुटे बल्लेबाज सुरेश रैना ने उम्मीद जताई कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन को आईपीएल सहित आगामी टूर्नामेंटों में बरकरार रख पाएंगे। रैना ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 27 गेंद में 43 रन बनाने के अलावा तीन ओवर में 27 रन देकर एक विकेट चटकाया जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। रैना ने कहा, ''यह लम्हा (वापसी) मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण है। यहां के बाद हम श्रीलंका और फिर आईपीएल में खेलेंगे। हमें काफी मैच खेलने हैं। मैं पहले भी विश्व कप का हिस्सा रहा हूं और मैं 2011 में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा था। यह मेरा पहला विश्व कप था और हमने खिताब जीता।'' उन्होंने कहा, ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय की बात करूं तो पांचवें नंबर पर मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह सिर्फ कुछ और मैचों का सवाल है और मुझे लगता है कि मैं दिखा सकता हूं कि मैं निश्चित तौर पर जल्द ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में वापसी कर सकता हूं।'' रैना पिछली बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच अक्तूबर 2015 में मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले थे जबकि यहां वापसी से पहले उन्होंने पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल फरवरी में खेला था।बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि भारतीय टीम आत्मविश्वास से भरे खिलाड़ियों का समूह है जो नतीजों में दिख रहा है। उन्होंने कहा, ''हम टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में जिस तरह खेले वह दिखाता है कि एक टीम के रूप में हम दक्षिण अफ्रीका में क्या हासिल कर सकते हैं। किसी भी टीम ने इससे पहले ऐसा नहीं किया। ड्रेसिंग रूम में यह आत्मविश्वास हमें मैदान पर अपने प्रदर्शन का लुत्फ उठाने का मौका देता है। यही कारण है कि हमने यह मैच जीता। हमने पहले छह ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की। भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने अच्छा प्रदर्शन किया। टी20 में यह मायने रखता है कि मैदान पर आपका रवैया कैसा है और हमने आज यह दिखाया।'' रैना ने कहा कि उन्हें तीसरे नंबर पर खेलने का फायदा मिला जो कप्तान विराट कोहली के चौथे नंबर पर उतरने के कारण संभव हो गया।

विजय हजारे ट्रॉफी : जडेजा की अगुवाई में सौराष्ट्र की जीत, अब फाइनल में कर्नाटक से भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रविंद्र जडेजा की अगुवाई में और बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा की शानदार गेंदबाजी से सौराष्ट्र ने दूसरे सेमीफाइनल में आंध्र को आसानी से 59 रन से हराकर विजय हजारे ट्राफी के फाइनल में प्रवेश किया। यह दूसरा अवसर है जब सौराष्ट्र सीमित ओवरों के इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। उसने इससे पहले 2007-08 में खिताब जीता था। इस बार फाइनल में उसका मुकाबला 27 फरवरी को फिरोजशाह कोटला में ही दो बार के चैंपियन कर्नाटक से होगा।

सौराष्ट्र की टीम पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 49.1 ओवर में 255 रन पर आउट हो गयी लेकिन आंध्र के लिये यह स्कोर भी बड़ा साबित हुआ। उसकी टीम 45.3 ओवर में 196 रन पर ढेर हो गयी। सौराष्ट्र के लिये धर्मेन्द्रसिंह जडेजा ने 40 रन देकर चार और शौर्य सनानडिया ने 40 रन देकर दो विकेट लिये। सौराष्ट्र की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने कप्तान चेतेश्वर पुजारा (17) और सलामी बल्लेबाज समर्थ व्यास (46) सहित चोटी के चार विकेट 69 रन पर गंवा दिये। इस मैच में केवल बल्लेबाज के रूप में वापसी करने वाले रविंद्र जडेजा (56) और अर्पित वासवदा (58) ने यहीं से पांचवें विकेट के लिये 113 रन जोड़कर टीम को शुरूआती झटकों से उबारा।

इन दोनों के एक रन के अंदर लगातार ओवर में आउट होने के बाद प्रेरक मांकड़ ने 28 गेंदों पर 40 रन बनाए जिससे सौराष्ट्र की टीम 250 रन के पार पहुंचने में सफल रही। आंध्र की तरफ से कार्तिक रमन ने 69 रन देकर चार तथा डी शिवा कुमार और बी अयप्पा ने दो-दो विकेट लिये। आंध्र का शीर्ष क्रम भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और 23वें ओवर में उसका स्कोर भी चार विकेट पर 91 रन हो गया। बी सुमनाथ (42) और डीबी रवि तेजा (42) ने स्थिति संभालने की कोशिश की लेकिन इन दोनों के बीच 59 रन की साझेदारी टूटने के साथ ही आंध्र की पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गयी।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में इन भारतीय खिलाड़ियों को हुआ फायदा

दुबई। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को दक्षिण अफ्रीका पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 2-1 की जीत में शानदार प्रदर्शन के बूते ताजा आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में काफी फायदा मिला। शिखर ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 143 बनाए जिससे वह सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 14 पायदान के फायदे से अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 28वां स्थान हासिल किया जबकि सात विकेट झटककर मैन ऑफ द सीरीज बने भुवनेश्वर ने 20 पायदान का सुधार किया जिससे वह 12वें स्थान पर पहुंच गये। आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत को एक अंक का लाभ मिला और दक्षिण अफ्रीका ने एक अंक गंवा दिया, लेकिन भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपना क्रमशः तीसरा और सातवां स्थान बरकरार रखा है। पाकिस्तान 126 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर है, वह दशमलव की गणना में ही ऑस्ट्रेलिया से आगे है। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान जीन-पॉल डुमिनी ने सीरीज में 122 रन बनाए जिससे उन्हें चार पायदान का लाभ मिला और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 24वें स्थान पर पहुंच गए। अन्य खिलाड़ियों में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान जिम्बाब्वे पर सीरीज में मिली 2-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन कर गेंदबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहे।

भुवनेश्वर ने कहा, हम इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के दौरों के लिए तैयार

केपटाउन (एजेंसी)।

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा दौरे पर भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन इसी साल होने वाले इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के कड़े दौरों के लिए अच्छा रहेगा। भारत ने दक्षिण अफ्रीका दौरे की शुरूआत टेस्ट श्रृंखला में 1-2 की हार के साथ की लेकिन इसका अंत कल तीसरे टी20 में मेजबान टीम को सात रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीतकर किया। भारतीय टीम ने इस बीच वनडे श्रृंखला भी 5-1 से जीती। भुवनेश्वर ने कहा, ''हम अधिक लालची नहीं होना चाहते और इन दो ट्राफी के साथ हम खुश हैं। उम्मीद करते हैं कि अगली बार हम सभी तीनों ट्राफी जीत पाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''यह दौरा शानदार रहा, विशेषकर टेस्ट श्रृंखला। हां, हमने दो मैच गंवाए लेकिन वे काफी करीबी थे। हम 0-3 से भी हार सकते थे और 2-1 से भी जीत सकते थे। लेकिन हम जिस तरीके से खेले उसने हमें आत्मविश्वास दिया और हम इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के दौरों पर जाने और वहां बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।''।भुवनेश्वर ने कहा कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए विविधता और टाइमिंग महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, ''टी20 क्रिकेट विविधता का इस्तेमाल करने से जुड़ा है और आपकी टाइमिंग परफेक्ट होनी चाहिए। मैं जो भी 'नकल बाल' डालता हूं, चाहता हूं कि बल्लेबाज उस पर बड़ा शाट खेलने की कोशिश करे। आप इस तरह से विकेट ले सकते हैं और यही मुख्य कारणों में से एक है कि मैं पावर प्ले में सफल रहा।''

विभिन्न प्रारूपों में अंतर बताते हुए भुवनेश्वर ने टी20 के संदर्भ में कहा, ''टी20 ऐसा प्रारूप है तो तेजी से खत्म हो जाता है और आपके पास सिर्फ चार ओवर होते हैं। अगर आप ओवर में तीन खराब गेंद फेंकोगे तो इन पर रन बनेंगे और आपका पूरा विश्लेषण बिगड़ जाएगा। इन तीन गेंद के कारण टीम बैकफुट पर आ जाएगी। इसलिए प्रत्येक गेंद महत्वपूर्ण है। इसके कारण गेंदबाज को सोचना पड़ता है। प्रत्येक गेंद सही होनी चाहिए और आपको योजना को सही तरीके से लागू करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''टेस्ट मैचों में आपको एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय या टी20 क्रिकेट की तुलना में कुछ अलग नहीं करना होता लेकिन यह लाइन और लेंथ का खेल है। वनडे क्रिकेट में आप यार्कर और धीमी गेंद करने की कोशिश करते हैं। प्रारूपों के बीच के सामंजस्य बैठाना कभी आसान नहीं होता

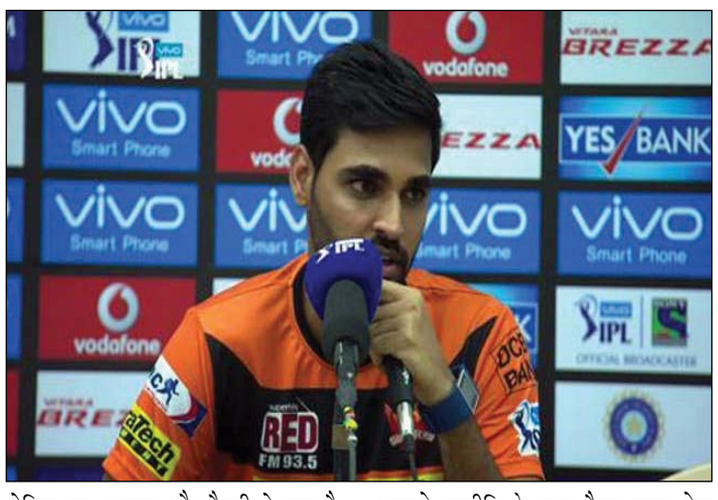

लेकिन यह अभ्यास और तैयारी से जुड़ा है। आपको सामंजस्य बैठाने के लिए दो से तीन ओवर की जरूरत होती है लेकिन टी20 में आपको रणनीति के साथ तैयार रहना होगा क्योंकि आप बल्लेबाज के रन बनाने के बाद प्रतिक्रिया नहीं दे सकते।''

क्रांति समय

सूरत की दौड़ दिखाएगी नए भारत के निर्माण का रास्ता

सूरत। रविवार को सूरत के गौरव पथ पर रन फ़ॉर न्यू इंडिया मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया । इस मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सूरत आये । एयरपोर्ट से सीधे वो लालभाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम पहुंचे । एयरपोर्ट से पिपलोद आते हुए उन्होंने दोनों तरफ खड़े सुरतीयो का अभिवादन स्वीकार किया । प्रधानमंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी , उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल , भाजपा प्रदेश प्रमुख जीतू वाघाणी भी इस मैराथन के लिए सूरत पहुंचे । उन्होंने प्रधानमंत्री का सूरत एयरपोर्ट पर स्वागत किया । लाल भाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दौड़ भारत के नव निर्माण को नई दिशा दिखाने वाली साबित होगी ।

देश के लिए आयोजित होने वाली पहली मैराथन

प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन की शुरुआत गुजराती मे केम छो कह कर की । उन्होंने कहा कि आज तक कोई भी मैराथन कोई मुद्दा ,सामाजिक उद्देश्य , चैरिटी आदि के लिए आयोजित की जाती रही है , यह मैराथन पहली बार देश के नव निर्माण के लिए आयोजित कर के एक नई पहल की गई है । देश कोई व्यक्ति , सामाजिक या राजनीतिक संस्था से नही बनता , बल्कि देश लोगो की शक्ति से बनता है । यह मैराथन देश को एक नई दिशा देगी ।

पांच वर्ष सभी नागरिक संकल्प करें

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार देश आजाद होते ही पांच साल तक देश का प्रत्येक नागरिक देश के लिए जिया था उसी प्रकार देश के नव निर्माण के लिए यह पांच साल हम दे ताकि 2022 तक हम नए भारत का निर्माण कर सके । यह कह कर उन्होंने 2019 के चुनावों पर जनता के रुख को साधने की कोशिश की । पिछला चुनाव जिस प्रकार अच्छे दिन के नाम से लड़ा गया उसी प्रकार यह चुनाव नए भारत के निर्माण के मुद्दे पर लड़ा जाएगा , यह उसी का संकेत माना जा रहा है ।

नए भारत का निर्माण मुश्किल नही

प्रधानमंत्री ने कहा कि नए भारत का निर्माण करना मुश्किल नही है । हमे संकल्प करना है कि हम स्वच्छता रखेंगे , देश के लिए कुछ नया करेंगे । करना कुछ मुश्किल नही है मुश्किल केवल संकल्प करना होता है । संकल्प द्वारा हम नए भारत का निर्माण कर सकते है ।

सुरती करके दिखाते है

सूरत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सुरती करके दिखाते है , सूरत केवल उंधिया , लोचे के लिए ही प्रसिद्ध नही है बल्कि यहां के लोगो की उत्कृष्ट सोच के लिए यह प्रसिद्ध है । सुरती हमेशा आगे की ही सोचते है । उन्होंने सभी को होली की अग्रिम मुबारकबाद दी ।

दो वादों की कि मांग

प्रधानमंत्री ने सूरत के नागरिकों से दो वचन मांगे । पहला रन फ़ॉर यूनिटी जो 31 अक्टूबर को आयोजित होती है उसमें हिस्सा लेना तथा जून में आयोजित योग दिवस के लिए अभी से ही तैयारी करना । उन्होंने कहा कि योग दिवस पर अबकी बार नया कीर्तिमान बनाना है ।

लोग हुए परेशान

मैराथन मे भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हर किसी को टीशर्ट पहना कर लाया गया जिसे पुलिस ने दौड़ के लिए अयोग्य करार देकर इंट्री नही दी गयी । ऐसे वीडियो काफी वायरल हुए जिसमे बच्चो ओर बुढो को भी टीशर्ट पहनाकर लाया गया दिखाया गया ।

रन फोर न्यु इंडिया नाईट मेरोथोन के पूर्व लगे मोदी की आलोचना वाले पोस्टर

सूरत। सूरत शहर में रन फोर न्यु इंडिया नाईट मेरोथोन दौड का आयोजन किया गया है। हलांकि पीएम मोदी के आगमन से पूर्व आलोचना वाले पोस्टर लगने से भारी हंगामा मच गया। मेरोथोन दौड रुट पर लगे ऐसे पोस्टरों को तात्कालिक उतरवा लिये जाने की जानकारी मिली है।

भारत में पहली बार सूरत में आयोजित होने वाले रन फोर न्यु इंडिया नाईट मेरोथोन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों लेग ऑफ दिये जाने का आयोजन किया गया है। हलांकि मेरोथोन से पहले मेरोथोन रुट पर पीएम मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर लगाये जाने से भारी हंगामा मच गया। शहर में तीन से चार स्थलों पर ऐसे पोस्टर लगाया गये थे। जिसमें पीएम मोदी के एक हाथ में रुपये और दूसरे हाथ में पकोडा दर्शाया गया था। एक ओर नीरव मोदी, ललित मोदी, विजय माल्या सहित पर रुपये की बारिश हो रही हो ऐसी तस्वीरे छपी थी। जबकि दूसरे हाथ में इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, किसान सहित पर पकोडे की बारिश की तस्वीर दर्शाई गई थी। सूरत के अठवा गेट समीप वनिता विश्राम गेट पर, घोडदौड रोड जोगिंग पार्क की दिवाल और उधना में भाजपा काार्यलय समीप, युनिवर्सिटी के गेट पर पीएम मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर लगाये गये थे। सुबह बाहर निकलने वाले राहगिर व वाहन चालक ऐसे पोस्टर देख भारी अचंभित हुये। नीतिन भजीयावाला ने इस संदर्भ में कहा कि पीएम मोदी की टीका करने वाले पोस्टर लगाने का कार्य असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया है। शहर में अच्छे प्रसंग को बिगाडने का प्रयास किया गया है।

सूरत। भगवान महावीर के सद्धिांत पर आचार्य वीमलसागर जी ने प्रवचन दिया, तेरापंथ भवन सीटि लाईट सूरत।

विवाहिता को झांसा देकर शारीरिक शोषण

सूरत। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र गुजरात हाउसिंह बोर्ड में रहनेवाले युवक ने लिंबायत की विवाहिता को घर खर्च देने तथा पुत्री के पढने का खर्च देने का लालच देकर उसके साथ आयेदिन बलात्कार किया। इस संदर्भ में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के पांडेसरा क्षेत्र में गुजरात हाउसिंह बोर्ड में परिवार के साथ रहनेवाला श्याम सुंदर उर्फ सागर तेजबहादुसिंह नौकरी करके परिवार का भरण पोषण करता है। पिछले 9 वर्ष से आरोपी श्यामसुंदर लिंबायत नीलगिरी में रहनेवाले एक परिवार के संपर्क में आया था और इस परिवार की पुत्रवधु का घर खर्च तथा पुत्री को पढाने का खर्च उठाने का झांसा देकर उसके साथ आयेदिन बलात्कार किया। साथ ही यह बात किसी से कहने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के संदर्भ में महिला की शिकायत के आधार पर लिंबायत पुलिस ने आरोपी श्यामसुंदर उर्फ सागर के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

नौकर 3.50 लाख का माल चोरी कर फरार

सूरत। शहर के सोनी फलिया में स्थित देसाई पोल समीप एक सोनी की दुकान में काम करनेवाला नौकर 3.50 लाख रुपये का जेवर चोरी कर फरार हो गया। जिसके खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर को गोपीपुरा सोनी फलिया में अजगर अली फकीर अली मलकेश्वर में अपने परिवार के साथ रहता है और समीप में नानी देसाई पोल में जेवर बनाने की दुकान चलाता है। पिछले काफी समय से सलीम शेख नामक युवक अजगर अली की दुकान में जेवर बनाने का काम करता था। इस दौरान आरोपी सलीम शेख मौके का लाभ लेकर दुकान में रखे सोने के जेवर सहित कुल 3.50 लाख का माल चोरी कर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में अजगरभाई ने सलाबतपुरा पुलिस में नौकर के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर पुलिस आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

युवक के साथ मारपीट कर 1.50 लाख की लूट

सूरत। शहर के रिंगरोड क्षेत्र में स्थित राजहंस कॉ पलेक्स में पांचवें मंजिले पर स्थित एक ऑफिस में अमरोली के युवक ने प्रवेशित होकर वहां सलोन देने का काम करने वाले युवक के साथ मारपीट कर 1.50 लाख कीमत के सोने की चेन और अंगुठी की लूट की और फरार हो गया। घटना के संदर्भ में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण एल.पी. सवाणी रोड स्थित सालीम अपार्टमेन्ट में परिवार के साथ रहनेवाला राकेश रश्मीनभाई पंचाल रिंगरोड की राजहंस कॉ पलेक्स में पांचवें मंजिले पर स्थित कॉन्सेप्ट सर्विस नामक लोन दिलाने की ऑफिस में काम करता है। अमरोली के उत्राण स्थित ओपेरा सिटी में रहनेवाला सुभाष छगनभाई पनसाला को लोन की आवश्यकता होने से उसने राकेशभाई का संपर्क किया था और लोन के लिए आवश्यक कागजात भी दिये थे। इस दौरान 24 फरवरी को आरोपी सुभाष राकेशभाई पंचाल की ऑफिस पर पहुंच गया और कहा कि मेरी लोन का क्या हुआ? जिस पर राकेश ने कहा कि चार पांच दिन पहले आपने लोन के कागजात दिये हैं और बैंक की छुट्टी होने से दो-तीन बाद इस संदर्भ में जानकारी दूंगा। जिस पर आरोपी सुभाष ने कहा कि मेरे पर कर्ज अधिक है मुझे कैसे भी लोन के चेक दे दे। जिस पर राकेशभाई ने शांति से बात करने के लिए कहा। सुभाष ने आवेश में आकर राकेशभाई की ऑफिस का क प्युटर फेंक दिया और ऑफिस का दरवाजा बंद कर आज तेरा खेल खत्म कर दूंगा कहकर राकेश के साथ मारपीट की। साथ ही राकेशभाई के गले की माला और अंगुठी सहित 1.50 लाख का माल लूटकर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में राकेशभाई की शिकायत के आधार पर अठवा पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

सूरत। जैन सोशल ग्रुप द्वारा रविवार को पाल भट्टा रोड़ पर रविवार को फागोत्सव से पूर्व रंग गुलाल लगा कर फागोत्सव मनाया।

सील किया गया डुप्लीकेट माल चोरी करनेवाला आरोपी गिर तार

सूरत। शहर के चौक बाजार होडी बंगला समीप मिस्टर शुज के नाम पर दुकान खोल ब्रान्डेड कंपनी के नाम पर डुप्लीकेट बुट बेचने पर सीआईडी क्राइम ने सील किये पंडाल क्षेत्र के एक गोदाम से करोडों की कीमत के बुट डुप्लीकेट चाभी से चोरी करने वाले आरोपी अब्दुलरब चामडीया को पुलिस ने गिर तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ माह पहले सीआईडी क्राईम की टीम ने अब्दुलरब कापडिया की मिस्टर शुज नामक दुकान पर छापा मारा था। यह श स ऑनलाइन शोपिंग साइट पर ब्रान्डेड कंपनी के नाम से डुप्लीकेट शुज बनाकर बेचता था। हलांकि यह जानकारी सीआईडी क्राइम के ध्यान में आने पर छापा मार करोडों रुपये का जत्था पंकड पंडोल स्थित अब्दुलरब चामडीया के गोदाम को सील कर दिया था। जिसके कुछ समय बाद सील तोडकर डुप्लीकेट चाभी से उसमें से माल चोरी कर लिया गया। यह माल चोरी करने के पिछे दुकानदार की ही संलिप्तता होने की आशंका के आधार पर चौक बाजार पुलिस ने मामला दर्ज कर उसके एक नौकर को गिर तार किया। नौकर के बाद दुकानदार को भी गिर तार किया गया है। जांच में पता चला कि एक करोड से अधिक के माल की चोरी कर ली गई थी।

वेडरोड के लुम्स कारखाने में आग से भारी नुकसान

सूरत। शहर के वेडरोड क्षेत्र में एक लुम्स कारखाने में विस्फोट के साथ आग लगने से भारी अफरी तफरी मच गई। घटना की जानकारी होते ही फायर विभाग की टीम ने तात्कालिक घटना स्थल पर पहुंच आग को नियंत्रण में लिया।

फायर ब्रिगेड के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के वेडरोड क्षेत्र पंडाल में स्थित एक लु स कारखाने में अचानक धमाके के साथ आग लग जाने से भारी अफरा-तफरी मच गई। स्थानिय लोगों ने घटना के संदर्भ में फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। जिसके बाग फायर विभाग चार फायर फाईटर के साथ घटना स्थल पर पहुंच गया और पानी की बौछार मार आग को नियंत्रण में लिया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। आग से किसी प्रकार की जान हानि नहीं होने की जानकारी मिली है। उलेखनीय है कि लु स के कारखाने में लगी आग से आसपास के कारखानेदारों में भय फैल गया था। पहले मंजिले की टीएफओ मशीन में आग लगी थी। फायर विभाग आग पर नियंत्रण प्राप्त करे इससे पहले ही तीन मशीन जलकर खाक हो गई। 45 मिनट तक पानी की बौछार मार आग पर नियंत्रण प्राप्त किया गया। कारखानेदार ने बताया कि आज सुबह 10 बजे के करीब विस्फोट के साथ आग लगी थी। देखते ही देखते आग ने विकराल स्वरुप धारण कर लिया। फायर विभाग ने करीब 45 मिनट तक पानी की बौछार चलाकर आग को नियंत्रण में लिया। जिसके बाद कुलिंग कार्य किया गया। लु स के कारखाना मालिक शहेजाद शेर कारखाने में हाजिर नहीं थे। रविवार होने से कारखाना बंद था। जिससे मशीन में लगी आग से किसी प्रकार की कोई जान हानि नहीं हुई हलांकि तीन मशीन जलकर खाक हो गई।

नानपुरा क्षेत्र में एक्टिवा स्लीप होने से युवक की मौत

सूरत। शहर के नानपुरा क्षेत्र में देर रात नई एक्टिवा लेकर मित्र के साथ अल्पहार करने निके युवक की एक्टिवा स्लीप होने से गंभीर रुप से घायल होने के कारण संक्षिप्त ईलाज दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नानपुरा स्थित गोलंदाज स्ट्रीट में रहनेवाला 25 वर्षीय विरल रमेशभाई गामित नई एक्टिवा लेकर मित्र सोहिल के साथ देर रात अल्पाहार करने के लिए निकला था। इस दौरान तीव्र गति से एक्टिवा चला रहा था ऐसे में नानपुरा हथुगर मुहल्ला समीप एक्टिवा स्लीप हो जाने से गंभीर दुर्घटना हुई। विरल को सिर के भाग में गंभीर चोट लगने से उसे नीजी अस्पताल में ईलाज के लिए ले जाया गया। जहां संक्षिप्त ईलाज दौरान उसकी मौत हो गई।

कपडा व्यापारी के साथ 65 लाख की ठगी

सूरत। पर्वत पाटिया आईमाता रोड पर स्थित स्काय व्यु अपार्टमेन्ट में रहनेवाले एक कपडा व्यापारी के साथ 65 लाख रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के पर्वत पाटिया, आईमाता रोड, स्काय व्यु अपार्टमेन्ट में पियुष उर्फ रमण संपतलाल कोठारी अपने परिवार के साथ रहते हैं और रिंगरोड पर स्थित महावीर टेक्सटाइल मार्केट में कावेरी सारीज के नाम से कपडे का व्यापार करते हैं। कुछ समय पहले राजस्थान के उदयपुर जिला निवासी खुमानसिंह मादरेजा नामक कपडा दलाल पियुषभाई के साथ संपर्क कर कहा था कि उसके पास अच्छी पार्टी है आप उसके साथ व्यापार करोगे तो काफी मुनाफा होगा। ठग ने आगे कहा कि उसकी पार्टी पूणा पाटिया में स्थित सांई अपार्टमेन्ट में रहनेवाले दिनेश बाफणा, दिपेश बाफणा और मुकेश बाफणा सहित तीन भाई है जो वराछा के उमरवाडा में पुरानी बो बे मार्केट में वरवधु टेक्सटाइल और शितलनाथ टेक्सटाइल के नाम से व्यापार करते हैं। ठग दलाल की बात में आकर कपडा व्यापारी पियुषभाई ने उन्हें उधार में 65 लाख रुपये का कपडा दिया था। हलांकि ठग भाई समय से माल का पैमेन्ट न देकर दुकान बंद कर फरार हो गये। घटना के संदर्भ में पियुषभाई की शिकायत के आधार पर सलाबतपुरा पुलिस ने दलाल सहित चार लोगों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com